हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

र्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, गुरुवार, 9 फरवरी 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

# के वी के दलीप नगर ने सरसों फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का किया गया आयोजन

**दि ग्राम तोड़ा,कानपुर।**

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर ने आज ग्राम भगवंतपुर में राई फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया। ग्राम भगवंतपुर के प्रगतिशील किसान सुरेंद्र कुमार के प्रक्षेत्र पर लगी सरसों की उन्नत किस्में आर एच 729,आरएच 725 एवं पीतांबरी के प्रदर्शनों का अवलोकन किया।मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि सरसों फसल में 40 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग किया गया है। जिससे फसल अति उत्तम दिखाई दे रही है। डॉक्टर खान ने सरसों प्रक्षेत्र दिवस की महत्ता बताते हुए फसल विविधीकरण,जैविक खेती आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की।उन्होंने बताया कि जनपद में अधिकांश क्षेत्र में रबी की मौसम में गेहूं की विभिन्न प्रजातियों की बुवाई किसान करते हैं। हमें फसल विविधीकरण करते हुए सरसों,कुसुम आदि तिलहनी फसलों का समावेश करना चाहिए।इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने बताया कि सरसों की फसल में कम लागत से अधिक आय कम आने की प्रबल संभावना है। इस अवसर पर गांव की कृषक सुरेंद्र कुमार सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

# जैविक खेती कर किसान आय बढ़ा सकते हैं





**डीटीएनएन**

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर ने आज ग्राम भगवंतपुर में राई फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया। ग्राम भगवंतपुर के प्रगतिशील किसान सुरेंद्र कुमार के प्रक्षेत्र पर लगी सरसों की उन्नत किस्में आर एच 729,आरएच 725 एवं पीतांबरी के प्रदर्शनों का अवलोकन किया।मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि सरसों फसल में 40 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग किया गया है। जिससे फसल अति उत्तम दिखाई दे रही है। डॉक्टर खान ने सरसों प्रक्षेत्र दिवस की महत्ता बताते हुए फसल विविधीकरण,जैविक खेती आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की।उन्होंने बताया कि जनपद में अधिकांश क्षेत्र में रबी की मौसम में गेहूं की विभिन्न प्रजातियों की बुवाई किसान करते हैं। हमें फसल विविधीकरण करते हुए सरसों,कुसुम आदि तिलहनी फसलों का समावेश करना चाहिए।इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने बताया कि सरसों की फसल में कम लागत से अधिक आय कम आने की प्रबल संभावना है। इस अवसर पर गांव की कृषक सुरेंद्र कुमार सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी विक्रम संवत 2079

# अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 1, अंक 167, पृष्ठ 16, मूल्य: 5 रुपये

कानपुर, गुरुवार, 9 फरवरी 2023

www.amritvichar.com

में शीर्ष पर सूर्यकुमार यादव...15

'मिसेज फलानी' में नौ किरदा

## सरसों की नई प्रजाति के उत्पादन का हुआ प्रदर्शन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से भगवंतपुर गांव में राई फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन हुआ। प्रगतिशील किसान सुरेंद्र कुमार के प्रक्षेत्र पर लगी सरसों की उन्नत किस्म आरएच 729, आरएच 725 और पीतांबरी के प्रदर्शन का अवलोकन किया। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि सरसों फसल में 40 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग किया गया है, जिससे फसल अति उत्तम दिखाई दे रही है। डॉ. खान ने सरसों प्रक्षेत्र दिवस की महत्ता बताते हुए फसल विविधीकरण, जैविक खेती आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि जिले के अधिकांश क्षेत्र में रबी की मौसम में गेहूं की विभिन्न प्रजातियों की बुवाई किसान करते हैं। हमें फसल विविधीकरण करते हुए सरसों, कुसुम आदि तिलहनी फसलों का समावेश करना चाहिए।